सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

याद रखिये जहां कहीं भी आपका दिल है, वहीं आप अपना खजाना पाएंगे।
-पाओलो कोएलो

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 50 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 मार्च, 2025

लखनऊ-दिल्ली जीत के साथ करना चाहेंगे... 7 | बंगाल विस चुनाव पर तेज हुई... 3 | 'भाजपा नेता जिलों में कर रहे... 2

बिहार में बैकफुट पर एनडीए बदली चुनावी रणनीति

निशांत को आगे किया, युवा व अनुभव का मेल

युवा बिहार, युवा सीएम जैसे भवनात्मक नारों की बहार

- » तेजस्वी यादव के धुंआधार अटैक के बाद अब नीतीश नहीं निशांत होंगे पोस्टर ब्वाय
- » तेजस्वी ने दिया था नारा टायर्ड भी रिटायर्ड भी सीएम नीतीश कुमार
- » निशांत के चुनाव लड़ने का रास्ता साफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासी पिच बहुत तेजी से अपना मिजाज बदलती दिखायी दे रही है। कप्तान नीतीश कुमार की खराब परफार्मेंस और मंत्रीमंडल विस्तार के बाद घटित घटनाओं ने विपक्ष को दमदार अवसर प्रदान किये। तेजस्वी यादव के टायर्ड और रिटायर्ड सीएम जैसे नारे और लालू यादव के पक्ष में लगे टाइगर जिंदा है जैसे पोस्टर से एनडीए बिहार में बैकफुट पर है और उसने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। ताजा रूझानों और बयानों के आधार पर यह बात कही जा सकती है कि सीएम नीतिश के डैमेज कंट्रोल के तौर पर उनके बेटे निशांत को आगे कर तेजस्वी के अटैक को कम करने की कोशिश की जा रही है।

सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बिहार चुनाव 2025 से राजनीति में डेब्यू करेंगे। इस बात की मुकम्मल तस्दीक हो चुकी है। वह नालांदा से चुनाव लड़ेंगे और तेजस्वी यादव के आरोपों को डिफेंड करेंगे। निशांत के पक्ष में गिरिराज सिंह से लेकर शहनवाज हुसैन तक के बयान आ चुके हैं। यही नहीं जीतन राम मांझी भी निशांत के चुनाव लड़ने की वकालत कर चुके हैं। तेजस्वी यादव ने बिहार के जातिगत और समाजिक आंकड़ों को पेश कर आरोप लगाये थे कि बिहार में 60 फीसदी संख्याा युवाओं की हैं और सीएम 70 वर्ष पार कर चुके हैं। उन्हें युवाओं की समस्याओं का पता नहीं। सरकार रोजगार को छोड़कर दूसरे सभी अन्य मुददों पर बात कर रही है।

असर कर गया तेजस्वी का बयान!

तेजस्वी की यह बात बिहार के लोगों में धर गयी और तेजी से महौल बदलने लगा। तेजस्वी के इस बयान के बाद एनडीए ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और फ्रंटफुट पर नीतिश के बेटे निशांत का नाम आगे कर दिया। अब यदि राजद युवाओं की बात करेंगे तो जनता दल युनाइटेड के पास युवा भी अनुभव भी जैसे नारों के साथ उनके आरोपों को काटने की प्लानिंग है।

खट्टा-मीठा हो सकता है निशांत का आगमन

यदि निशांत चुनाव लड़ते हैं तो इस पहलू का राजनीति फायदा भी है और नुकसान होने की संभावना भी है। जदयू के भीतर ही बहुत से ऐसे लोग है जो नहीं चाहते कि निशांत चुनाव लड़े और राजनीति में सक्रिय हों। जैसा की यूपी में हुआ था अखिलेश यादव के सीएम बनने का सबसे ज्यादा विरोध पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने किया था। यही कारण था कि यूपी में सपा दोबारा से सरकार बनाने से चूक गयी। यदि बिहार में भी निशांत को आगे किया जाता है तो पार्टी के भीतर गुटबाजी बढ़ जाएगी। खुद जदयू जो अभी तक एक है टूट सकता है और वरिष्ठ नेता राजद में जा सकते हैं। इस तरह की खबरों का खुलासा खुद तेजस्वी यादव दे चुके हैं। तेजस्वी दावा कर चुके हैं कि उनके सम्पर्क में बिहार सरकार के कई मंत्री है। पूर्व में भी जदयू के कई वरिष्ठ राजद की सदस्या ग्रहण कर चुके हैं। जदयू के मुस्लिम विधायक और मंत्री बीजेपी से तालमेल के बाद पार्टी के भीतर स्वंय को असहल महसूस कर रहे हैं।

सरल और सौम्य निशांत

निशांत कुमार कम बोलते हैं और सार्वजनिक जीवन में अभी उनकी सीएम नीतिश कुमार के बेटे के तौर पर ही पहचान है। उनके पास किसी भी चुनाव को लड़ने का अनुभव नहीं है। ऐसे में क्या वह राजनीतक कौशल में परिपक्कव हो चुके तेजस्वी यादव का अकेले मुकाबला कर सकेंगे यह सवाल बड़ा है। हालांकि एनडीए की रजानीति नीतिश कुमार के इर्दगिर्द ही रहेगी। निशांत को बस युवाओं वाले मुददे को मैनेज करने के लिए आगे किया जा रहा है। क्योंकि सर्वे के मुताबिक नीतिश सरकार को लेकर बिहार के लोगों में अब कोई साफ्ट कार्नर नहीं बचा है। हां अंकगणित जरूर एनडीए के पक्ष में है लेकिन यदि किसी नारे या फिर लहर ने चुनाव के बीच जन्म ले लिया तो फिर एनडीए के लिए मुश्किल हो सकती है।

वक्फ बिल ने बिगाड़ा खेल

बिहार में नीतीश कुमार को भारी संख्या में मुसलमानों का वोट मिलता है। लेकिन बीजेपी के समर्थन से सरकार चलाने से मुस्लमान बिहार में उनसे उतना नाराज नहीं है जितना वक्फ बिल पर उनकी चुप्पी को लेकर मुस्लमान नाराज है। यदि पटल पर वक्फ बिल पेश हो जाता है जिसके आसार कम है तो इसका असर बिहार के चुनाव पर एनडीए के लिए निगेटिव होगा। जो मुस्लिम वोट नीतिश के साथ जाता है वह या तो तटस्थ हो जाएगा या फिर बीजेपी को हराने वाले दल के साथ जुड़ सकता है। ऐसे में 2 से तीन फीसदी वोटों का स्विंग ही तेजस्वी सरकार बनाने के लिए काफी होगा।

पशुपति पारस भी सीएम नीतीश पर बरसे

चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस ने भी सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर आग उगली है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में उन नेताओं को वोट न दें जो भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और जिन्होंने पिछले 20 वर्षों में बिहार को कोई विकास नहीं दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जातिवाद में डूबा हुआ और बीमारू बताया है। पारस ने जनता से नए युग की शुरुआत करने के लिए कहा है।

बदलाव के लिए कांग्रेस की ओर बड़ी उम्मीद से देख रहा बिहार

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में बहुत उथल-पुथल है और यह स्पष्ट है कि जब इतनी अशांति होती है, तो लोग बदलाव चाहते हैं। बिहार अब बदलाव के लिए कांग्रेस की ओर बड़ी उम्मीद से देख रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य एक चिंता का विषय है। उनके बेहतर स्वास्थ्य की हम कामना करते हैं। लेकिन, नीतीश कुमार के स्वास्थ्य और बिहार की जो स्थिति है, उसे देखते हुए चिंता बढ़ जाती है। अस्वस्थ मुख्यमंत्री के हाथों में बिहार कितना सुरक्षित है यह एक गंभीर सवाल है।

'माई बहिन मान योजना' को बताया क्रांतिकारी पहल

लालू यादव ने तेजस्वी यादव द्वारा प्रस्तावित 'माई बहिन मान योजना' की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि यह योजना जनता के दिलों में उतर चुकी है और अब इसकी गूंज हर गांव-हर टोले तक पहुंचनी चाहिए।

मोतिहारी में गरजे राजद प्रमुख, बोले-जनता अब बदलाव चाहती है

मोतिहारी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने मोतिहारी में एक बड़ा राजनीतिक बयान देकर बिहार की सियासत को गर्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने से कोई माई का लाल नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता पक्ष चाहे जितनी भी बातें करे, जनता अब बदलाव चाहती है और वह बदलाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आएगा। राजद सुप्रीमो मोतिहारी के कल्याणपुर से विधायक मनोज कुमार यादव के पिता दिवंगत कामरेड यमुना यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोटवा प्रखंड के जसौली जमुनिया गांव पहुंचे थे। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्होंने करीब आठ मिनट तक लोगों को संबोधित किया। अपने चिर-परिचित भोजपुरी अंदाज में लालू यादव ने लोगों से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर तेजस्वी यादव की योजनाओं का प्रचार करें और महागठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताएं।

'भाजपा नेता जिलों में कर रहे हैं जमीनों पर कब्जा'

» अखिलेश यादव बोले- भू माफिया बन गए हैं भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और अधिकारी मिलकर जनता को लूट रहे हैं। भाजपा के नेता भूमाफिया बन गए हैं। तालाब और सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। हर जिले से जमीनों पर कब्जा करने और भ्रष्टाचार की खबरें आ रही है। अखिलेश रविवार डॉ. राममनोहर लोहिया की जयंती पर उनके नाम से गोमती नगर स्थित पार्क में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि फतेहपुर जिले में भाजपा के पदाधिकारी उनके नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं। जिनके पास खेती की कोई जमीन नहीं थी, उनके पास कई सौ बीघा जमीन हो गई है। उन्होंने कहा कि कई बार यह आवाज उठ चुकी है कि अयोध्या में भाजपा के लोगों ने जमीनों पर कब्जा कर लिया है। किसानों की जमीनें कम कीमतों पर छीन ली गई। कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। लगातार अपराध हो रहे हैं। सभी ने देखा कि अयोध्या की महिला की लखनऊ में लूट व बलात्कार के बाद हत्या हो गई।

सीएम के खास करीबी एक आईएएस अधिकारी भ्रष्टाचार में फरार

उन्होंने कहा कि सीएम के खास करीबी एक आईएएस अधिकारी भ्रष्टाचार में फरार है। पता चल रहा है कि उनके पास सात सौ बीघा जमीन, कई मकान और प्लॉट हैं। यह अफसर अच्छी पोस्टिंग में रहा है। भाजपा सरकार में निवेश के बहाने अपना निवेश चल रहा है। ये झगड़ा कमीशन का नहीं है। यह बंटवारे का झगड़ा है। पड़ोसी राज्य में एक अधिकारी के यहां से 50 करोड़ मिले थे। उसमें क्या हुआ? अखिलेश ने कहा कि भाजपा के नेता मोहनलालगंज और सरोजनी नगर में जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। सपा नेता व कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा के भ्रष्टाचार, लूट और अन्याय को बताएंगे।

पैर के अंगूठे से हुआ था शिवाजी का तिलक

अखिलेश ने कहा कि भाजपा इतिहास के पन्ने पलट रही है। उन्हीं इतिहास के कुछ पन्नों को राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने भी पलट दिया। उनका भाजपा से कहना है कि इतिहास के पन्ने पलटना बंद करें। अगर पन्ने पलटेंगे तो उसमें यह भी है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक नहीं होने दिया गया था। क्या भाजपा उसकी निंदा करेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक जब हुआ तो हाथ के बजाय बाएं पैर के अंगूठे से तिलक हुआ था, क्या उसके लिए भाजपा माफी मांगेगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी सपा सांसद के बयान की निंदा की

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी सपा सांसद के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास की समीक्षा करने वाले एक हजार वर्ष बाद या जब भी समीक्षा करेंगे तो कभी बाबर और राणा सांगा की तुलना नहीं कर पाएंगे। महाराणा सांगा ने स्वतंत्रता की जो अलख जगाई थी, उसने न सिर्फ भारत को गुलाम होने से बचाया बल्कि भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया था। कुछ तुच्छ बुद्धि और छोटे दिल के लोग ऐसी चर्चाएं करते हैं।

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सुमन के बयान कोतुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि राष्ट्र के सम्मान पर हमला है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी आत्मा देश के दुश्मनों को बेच दी है। ये लोग भारत को नीचा दिखाने और महापुरुषों का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। ये लोग दीमक हैं, जो देश की जड़ों को खोखला करने में लगे हैं लेकिन अब भारत जाग चुका है और ऐसे लोगों को हम और बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई हो : खाचरियावास

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, अस्सी घाव लगे थे तन पे, फिर भी व्यथा नहीं थी मन में। मातृभूमि की रक्षा में अपना सम्पूर्ण जीवन अर्पण करने वाले, अदम्य साहस, वीरता, त्याग और स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा सांगा पर सांसद रामलाल सुमन द्वारा संसद में अमर्यादित टिप्पणी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है व माफी योग्य नहीं है। खाचरियावास ने इस बयान के लिए सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग भी की है।

भाजपा देश में जनसांख्यिकीय दंड की नीति लागू कर रही : रेवंत रेड्डी

» तेलंगाना के सीएम बोले जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा दक्षिण भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। भाजपा जनसांख्यिकीय दंड की नीति लागू कर रही है। हम एक देश हैं, हम इसका सम्मान करते हैं। लेकिन हम इस प्रस्तावित परिसीमन को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह हमें राजनीतिक रूप से सीमित कर देगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई में परिसीमन पर राज्यों की पहली बैठक बुलाई। बैठक के दौरान, एमके स्टालिन ने सुझाव दिया कि निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन वर्तमान जनसंख्या के अनुसार नहीं होना चाहिए, उन्होंने तर्क दिया कि राज्य के विशिष्ट विचारों को व्यक्त करने के लिए संसद में पर्याप्त प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। इसी बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि दक्षिण भारत

जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। भाजपा जनसांख्यिकीय दंड की नीति लागू कर रही है। हम एक देश हैं, हम इसका सम्मान करते हैं। लेकिन हम इस प्रस्तावित परिसीमन को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह हमें राजनीतिक रूप से सीमित कर देगा।

उन्होंने कहा कि यह हमें प्रदर्शनकारी राज्य होने की सज़ा देगा। हमें भाजपा को किसी भी अनुचित परिसीमन को लागू करने से रोकना होगा उन्होंने कहा कि हमारा यह मानना है कि हमारे देश के सर्वोच्च प्रतिनिधि निकाय में सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होनी चाहिए।

द्रमुक की परिसीमन बैठक अपनी अक्षमताओं को छिपाने के लिए एक बड़ा नाटक है : अन्नाद्रमुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने संसदीय परिसीमन पर बैठक को लेकर रविवार को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी एवं प्रदेश में सत्तारूढ़ दल द्रमुक पर निशाना साधा तथा इसे अपनी अक्षमताओं को छिपाने के लिए एक बड़ा नाटक करार दिया।

तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने रविवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर संसदीय परिसीमन को लेकर आयोजित बैठक के लिए तीखा हमला बोला। अन्नाद्रमुक ने इसे बड़ा नाटक करार दिया और आरोप लगाया कि द्रमुक अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए यह दिखावा कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की अध्यक्षता में हुई संयुक्त कार्वाई समिति (जेएसी) की बैठक में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी समेत अन्य नेता शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, यह बैठक एक सुनियोजित नाटक जैसी प्रतीत होती है।

भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर को पार्टी ने थमाया कारण बताओ नोटिस

» सरकार की आलोचना पर मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने गाजियाबाद की लोनी सीट से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी के ग्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर उनसे सात दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा गया है कि क्यों न आपके विरुद्ध आनुशासनहीनता की कार्रवाई की जाए।

भाजपा प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विधायक नंदकिशोर गुर्जर को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। दरअसल, पार्टी के संज्ञान में आया है कि पिछले कुछ समय से नंद किशोर गुर्जर द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर सरकार की आलोचना की जा रही है। नोटिस में कहा

गया है कि आपके वक्तव्यों व कृत्यों से पार्टी की प्रतिष्ठा को आघात पहुंच रहा है, जो कि अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। बता दे कि नंद किशोर गुर्जर लगातार राज्य सरकार की नीतियों को लेकर निशाना साधते रहे हैं। वहीं अधिकारियों को लेकर भी वह लगातार टिप्पणी करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने गाजियाबाद में कलश यात्रा निकाली थी, जिसमें पुलिस के साथ विधायक और उनके समर्थकों की झड़प भी हुई थी। जिसके बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर को सार्वजनिक मंच से चुनौती भी दी थी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जिलाध्यक्ष विवाद पर ध्यान देगी यूपी कांग्रेस

» कमेटी बनाकर जिलास्तर पर दूर की जाएंगी समस्याएं

» पदाधिकारी शुरू करेंगे दौरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की अध्यक्षता में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें भविष्य की रणनीति तय की गई। प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा होते ही जिलेवार विभिन्न मुद्दों को लेकर जनता के बीच बैठकों का दौर शुरू किया जाएगा।

इस दौरान यह भी तय किया गया कि शनिवार को हुए विवाद के निस्तारण के लिए कमेटी बनाकर जांच की जाएगी। बैठक के दौरान प्रदेश के सियासी हालात पर भी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सुझाव दिया कि विभिन्न स्थानों पर हो रही आपराधिक घटनाओं पर पार्टी को सरकार के खिलाफ निरंतर आक्रामक रवैया अपनाना होगा। जनता को यह भरोसा दिलाना होगा कि कांग्रेस ही विपक्ष की भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला अपराध के मामले में हमें डटकर मुकाबला करना है। संगठन के पदाधिकारी ऐसी घटनाओं को लेकर जिलेवार दौरा करेंगे।

बंगाल विस चुनाव पर तेज हुई तैयारी

सभी सियासी पार्टी कील-कांटे दुरुस्त करने लगे

- टीएमसी ने बनाई विपक्षियों को रोकने की रणनीति
- कांग्रेस व भाजपा ने भी कस ली कमर
- कांग्रेस ने दिल्ली में शुरू किया माथा-पच्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2025 के आखिर में जहां बिहार में चुनाव है तो वहीं 2026 में बंगाल में चुनाव होने हैं। इसी के मद्देनजर वहां सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने कील-कांटे दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। जहां सत्ता में बैठी टीएमसी एकबार फिर वापसी की तैयारी में लगी हुई हैं तो भाजपा कईबार सत्ता के लिए सारे हथकंडे अपनाने के बाद इसबार फिर अपने चिरपरिचित हिंदुत्व कार्ड के सहारे बंगाल में भगवा झंडा फहराने को आतुर है। वहीं कांग्रेस वहां की सभी सीटों पर संगठन को मजबूत करने के लिए कमर कस रही है। अब आगे आने वाले चुनाव के नतीजों के बाद ही पता चलेगा किसका नुकसान,किसका फायदा होगा।वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने का टास्क दे दिया है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं को पश्चिम बंगाल में जनाधार और संगठन को मजबूत करने की सलाह दी है। दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में खरगे की अध्यक्षता और राहुल गांधी एवं केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में हुई बैठक में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार, वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और दीपा दासमुंशी सहित बंगाल कांग्रेस के कई अन्य बड़े नेता शामिल हुए। पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत बनाने की कांग्रेस की कवायद के साथ ही यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान किसको होगा क्या कांग्रेस के मजबूत होने का खामियाजा पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उठाना पड़ेगा या फिर कांग्रेस की मजबूती से भाजपा को नुकसान उठाना पड़ेगा,जो ममता बनर्जी विरोधी मतों के सहारे राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके लिए हमें वर्ष 2016 और वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करना पड़ेगा। वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

2021 में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे ज्यादा शर्मनाक

2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन सबसे ज्यादा शर्मनाक रहा। जबकि भाजपा के शानदार प्रदर्शन ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। पिछले चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत 12.4 प्रतिशत से घटकर महज 3 प्रतिशत रह गया और पार्टी के खाते में एक भी सीट नहीं आ पाई। वहीं भाजपा का मत प्रतिशत 10.3 प्रतिशत से बढ़कर 38.5 प्रतिशत पर पहुंच गया और सीटों की संख्या भी 3 से बढ़कर 77 पर पहुंच गई। आंकड़े यह साफ-साफ बता रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अगर मजबूत होती है तो इसका खामियाजा भाजपा को

भी उठाना पड़ सकता है। ममता बनर्जी के बारे में यह मान कर चला जा रहा है कि मुसलमानों की बड़ी आबादी मजबूती से उनके साथ खड़ी है और लाभार्थी हिंदुओं का साथ हासिल करने के बाद वह और भी ज्यादा मजबूत हो जाती है। ऐसे में अगर कांग्रेस के वोटों का आंकड़ा 3 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत को पार कर जाता है तो इसका नुकसान प्रारंभिक तौर पर भाजपा को ही होगा। लेकिन अगर कांग्रेस अगडी जातियों और मुसलमानों के अपने पुराने वोट बैंक को वापस ला पाने में थोड़ा बहुत भी कामयाब हो जाती है और 15 प्रतिशत के आसपास वोट हासिल कर लेती है तो फिर इसका नुकसान ममता बनर्जी को उठाना पड़ सकता है।

भाजपा ने 180 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता से बाहर करने के लिए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए कम से कम 180 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु पूर्व मेदिनीपुर जिले के तामलुक में एक रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में आपने जिले की दोनों सीटें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में दीं। अब हमें संकल्प लेना है कि हम इस जिले की सभी 16 विधानसभा सीटें और राज्य में कम से कम 180 सीटें जीतेंगे। इस बार हम ममता बनर्जी को पूर्व मुख्यमंत्री बना देंगे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में आपने जिले की दोनों सीटें (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी को उपहार में दे दी। अब संकल्प लें कि हम इस जिले की सभी 16 विधानसभा सीटें जीतेंगे। हम राज्य में कम से कम 180 सीटें हासिल करेंगे। इस बार हम ममता (बनर्जी) को पूर्व मुख्यमंत्री बनाएंगे।

विदेश यात्रा से पहले मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता

ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आगामी दिनों में लंदन की यात्रा करने वाली हैं। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करेगा।उन्होंने कहा, ''ईर्ष्या के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी आगामी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वे देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को होगा। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौटने वाली हैं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

ममता की टेंशन बढ़ाने बंगाल आ रहे ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की आबादी में अब मुसलमानों की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक है और घोषणा की कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने अपना राजनीतिक एजेंडा पेश किया, जिसमें राज्य में मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। हम यहां एक बड़ी घोषणा करने आए हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने एआईएमआईएम प्रवक्ता इमरान सोलंकी के हवाले से कहा कि हमने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में चुनाव लड़ा। बंगाल में हम सभी सीटों से लड़ेंगे। पिछले पंचायत चुनावों में, एआईएमआईएम को मालदा में 60,000, मुर्शिदाबाद में 25,000 और अन्य क्षेत्रों में 15,000 से 18,000 वोट मिले थे। पार्टी के एक नेता ने बताया कि यह कार्यक्रम एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के निर्देशन में आयोजित किया गया था। इस दौरान पार्टी की विस्तार योजनाओं

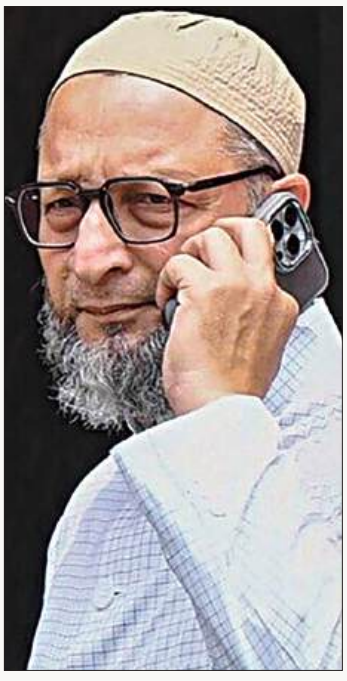

और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। मुस्लिम वोटों के दोहन के आरोपों के जवाब में सोलंकी ने दावा किया कि हाईकोर्ट से फोर्ट विलियम तक का इलाका वक्फ की संपत्ति है, जिसका लाभ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मिलता है। तृणमूल वक्फ की संपत्तियों का फायदा उठाती है। अगर सरकार को मुस्लिम वोट चाहिए तो उसे वक्फ बोर्ड का हिसाब हमसे साझा करना चाहिए। सोलंकी ने बताया कि पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और अद्यतन गणना से यह पुष्टि हो जाएगी कि बंगाल में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वे मुस्लिम वोटों का इस्तेमाल करके सत्ता में आते हैं, लेकिन वे हमारे लिए कुछ नहीं करते। हमारा मानना है कि 90 प्रतिशत मुस्लिम वोटों की वजह से ही टीएमसी यहां सरकार बनाने में सक्षम है। उन्होंने टीएमसी और भाजपा दोनों पर आरोप लगाते हुए उन्हें एक ही सिक्के के दो पहलू बताया और कहा कि वे मुस्लिम वोटों से सत्ता में आते हैं लेकिन समुदाय के लिए काम करने में विफल रहते हैं।

वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 48.5 प्रतिशत वोट हासिल कर टीएमसी ने 213 सीटों पर कब्जा जमाया था। बीजेपी के प्रदर्शन की बात करें तो 2016 में राज्य की 291 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के खाते में सिर्फ 3 सीटें ही आ पाई थी और मत भी 10.3 प्रतिशत ही मिल पाया था। वहीं उस चुनाव में लेफ्ट पार्टियों के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस ने 12.4 प्रतिशत मत के साथ 44 सीटें जीती थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जनहित में प्रभावशाली कानून बनाया जाए

सरकार ड्रग माफिया, नक्सिलयों के खिलाफ अभियान चलाने की बार-बार बात करती है परंतु बाते बाते ही रह जाती हैं और तभी कोई बड़ा हादसा हो जाता है और पाले खुल जाती है। भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है। समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सिलसिलेवार ढंग से जो संवैधानिक ड्रामा रचाया जा रहा या चल रहा है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ हमारी संसद जिम्मेदार है, क्योंकि जनहित में प्रभावशाली कानून बनाने का जिम्मा उसी के ऊपर है। यदि उसने इस मामले में अबतक किसी तरह की कोई लापरवाही बरती है तो यह जन-बहस का मुद्दा है। इसलिए कुछ सुलगता हुआ सवाल यहां पर प्रासंगिक है! लेकिन जब हम संसद की बात करते हैं तो इसकी सीधी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों और उनके समूह की होती है। क्योंकि सत्ता की अदलाबदली प्राय: इन्हीं के बीच होती रहती है।

संसद के अलावा, हमारी सिविल सोसाइटी, मीडिया मठाधीश, अधिवक्तागण, शिक्षाविद, प्रबुद्ध कारोबारी तबका एवं विभिन्न प्रकार के लोकतांत्रिक दबाव समूह भी इस स्थिति के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि भले ही इनके पास कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है या फिर अलग-अलग प्रकार की कानूनी सहूलियत प्राप्त है, लेकिन जनमत निर्माण में इनकी बहुत ब?ी भूमिका रहती आई है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि समाज का यह जागरूक तबका और उनका जेबी संगठन राजनीतिक रूप से दलित-महादलित, ओबीसी-एमबीसी, सवर्ण-गरीब सवर्ण, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक, आदिवासी-आर्य, अकलियत-पसमांदा, भाषा-क्षेत्र, अमीर--गरीब आदि विभिन्न गुटों में बंटा हुआ है, जो आभिजात्य वर्गीय सोच की हिफाजत का टूल्स बना दिया गया है। वहीं, संसद द्वारा सही कानून बनवाने और बनाए हुए कानूनों को लागू करवाने में नौकरशाही की बड़ी भूमिका रहती है। जबकि इन कानूनों की न्यायसम्मत समीक्षा करने और मतभेद या विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय देने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है, जहां वकीलों की दलील के आधार पर किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है। खास बात यह कि हमारी नौकरशाही के प्रशासनिक विवेक और न्यायपालिका के न्यायिक विवेक पर भी कोई सवाल उसी तरह से नहीं उठाया जा सकता है, जिस तरह से विधायिका के विधायी व प्रशासनिक विवेक और मीडिया के संपादकीय विवेक को मान्यता एवं संरक्षण प्राप्त है। कहने का तातपर्य यह कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का जागरूक और निष्पक्ष होना पहली शर्त है। मौजूदा दौर में %धनपशुओं% से सहयोग प्राप्त सिविल सोसाइटी यानी समाजपालिका भी बहुत ताकतवर होकर उभरी है और सत्ता परिवर्तन में मुख्य भूमिका निभा रही है।

“ भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है। समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सिलसिलेवार ढंग से जो संवैधानिक ड्रामा रचाया जा रहा या चल रहा है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ हमारी संसद जिम्मेदार है, क्योंकि जनहित में प्रभावशाली कानून बनाने का जिम्मा उसी के ऊपर है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पानी के संरक्षण में कारगर जन-जन की भागीदारी

दीपक कुमार शर्मा

विश्व जल दिवस का उद्देश्य जल संसाधनों के महत्व को रेखांकित करना और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, जो हर वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। वर्ष 2025 के जल दिवस की थीम 'ग्लेशियर संरक्षण' जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे जल स्रोतों, विशेष रूप से ग्लेशियरों, पर केंद्रित है। भारत, जहां नदियां लाखों लोगों की जीवनरेखा हैं, जल संकट की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और कृषि में अत्यधिक जल दोहन ने संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाला है। भूजल स्तर में गिरावट, प्रदूषित जल स्रोत और अनियमित मानसून इस संकट को और गहरा रहे हैं। जल संरक्षण के बिना सतत विकास की कल्पना अधूरी है। विभिन्न सरकारी योजनाएं जल प्रबंधन को लेकर प्रयास कर रही हैं, लेकिन इनका वास्तविक प्रभाव तभी संभव है जब जनता सक्रिय रूप से भागीदारी करे।

भारत आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा देश है। दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी हमारे देश में रहती है। वहीं जब हम साफ पानी की बात करते हैं तो पानी को लेकर स्थिति उतनी अनुकूल नहीं, जितनी नजर आती हैं। इस प्रसंग में बता दें कि ब्राजील में दुनिया में सबसे ज्यादा साफ पानी मौजूद है। जबकि खाड़ी के मुल्क कुवैत में सबसे कम साफ पानी है। जबकि भारत साफ पानी को लेकर आठवें स्थान पर है जहां 1911 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। पानी की कमी से सबसे ज्यादा प्रभावित दुनिया के 20 शहरों की सूची में पांच शहर भारत के हैं। दूसरे स्थान पर दिल्ली, छठे स्थान पर कोलकाता, 18वें स्थान पर चेन्नई, 19वें में स्थान पर बेंगलुरु और 20वें में स्थान पर हैदराबाद है। बेंगलुरु में पिछले साल मार्च महीने में गंभीर जल संकट पैदा हुआ जिसका प्रमुख कारण वर्षा की कमी और कावेरी नदी में जल स्तर का गिरना था, जिससे शहर के कई बोरवेल सूख गए थे। बेंगलुरु में तेजी से हो रहे शहरीकरण और जल निकायों पर अतिक्रमण ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया था।

हमारे देश में बड़ी तेजी से लोग रोजगार के लिए, जीवन स्तर में सुधार की चाहत बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गांवों से निकलकर शहरों की ओर आ रहे हैं। जिस कारण हमारे शहरों पर साफ पानी और सीवरेज व्यवस्था को लेकर अत्यधिक दबाव बनता जा रहा है। जल संकट से निपटने के लिए भारत में जल जीवन मिशन एक

महत्वपूर्ण पहल है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। इस मिशन की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर करती है, क्योंकि केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यदि लोग जल संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझें, तो इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता की निगरानी, सामुदायिक भागीदारी, प्रशिक्षण और सूचना प्रसार जैसी पहल की गई हैं। गांव जल एवं सीवरेज समितियों को जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और प्रबंधन में विशेष भूमिका दी गई है। यह पहल केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण को लेकर एक सामूहिक सोच विकसित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है। इसके अलावा, अमृत सरोवर योजना जल संरक्षण की दिशा में एक और प्रभावी कदम है, जिसके तहत देशभर में 50,000 से अधिक जलाशयों का निर्माण और पुनर्जीवन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भूजल स्तर को पुन: भरना, कृषि क्षेत्र को जल आपूर्ति सुनिश्चित करना और स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण में भागीदार बनाना है। यदि प्रत्येक गांव-कस्बे में लोग अपने क्षेत्र के जल स्रोतों की देखभाल के लिए आगे आएं, तो यह योजना जल संकट से निपटने में कारगर हो सकती है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में वर्ष 2020 में जल संसाधन प्राधिकरण का गठन किया गया है जो राज्य में जल संरक्षण, प्रबंधन और विनियमन के लिए समर्पित है। इस प्राधिकरण ने आमजन को जागृत करने के लिए एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें प्रदेश के प्रत्येक गांव के भूजल स्तर का ब्योरा है कि वर्ष 2010 में कितना था और 2020 में कितना।

हरियाणा के 7287 गांवों में से 1948 गांव अत्यधिक भूजल संकटग्रस्त गांव की श्रेणी में आते हैं जो चिंता का विषय है। हरियाणा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और इसका जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जल संरक्षण को लेकर जागरूक कर रहे हैं। हरियाणा में जल संरक्षण को लेकर 1 अप्रैल, 2025 से एक और पहल की जा रही है। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए सामुदायिक साझेदारी के आधार पर 4,713 एकल गांव जलापूर्ति पंचायत को देने जा रही है।

सब्सिडी कवच लैस अमेरिकी उत्पादों से व्यापार युद्ध

सोमदेविंदर शर्मा

जब हाल ही में मैंने पढ़ा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक हैड ने विशेष तौर पर भारत से कहा है कि वह अपना बाजार अत्यधिक सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खोले, तो इस पर, मुझे विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री निकोलस स्टर्न के बोल याद आ गए, जो उन्होंने उस समय देश में अपनी यात्रा के दौरान कहे थे, संक्षेप में कुछ यह था 'मैं सहमत हूं कि अमेरिकी किसानों को जिस मात्रा की सब्सिडी मिलती है, वह एक प्रकार से पाप है, लेकिन यदि भारत अपना बाजार नहीं खोलता, तो यह आपदा का नुस्खा होगा।' एन्न वेनमैन (जिनका कार्यकाल जॉर्ज बुश जूनियर के समय 2001-2005 तक था) से शुरू होकर कुछ इसी किस्म का दोगलापन अमेरिका के एक के बाद एक आए कृषि मंत्री समय-समय पर दिखाते रहे हैं।

मुझे याद आ रहा है कि किस प्रकार उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) में अपने संबोधन में बेशर्मी से विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री की उस मूर्खतापूर्ण दलील (जो कि हास्यास्पद भी थी) का समर्थन किया, जिसमें भारत कृषि मंडी को जबरदस्ती खोलने की बात कही गई थी। दरअसल, एक समय ऐसा भी आया जब अमेरिका के कम-से-कम 14 कृषि फसल निर्यात समूहों ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को पत्र लिखकर भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के नाम पर फसल-विशेष को दिए जाने वाले मूल्य संरक्षण की ऊपरी सीमा तय करवाने की मांग की ताकि अमेरिकी निर्यात की भारत में राह खुल सके। इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अवांछित व्यापार युद्ध से मैं हैरान नहीं हूं। यह एकदम जाहिर है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में लंबे समय तक चली बहुपक्षीय वार्ताओं से जो कुछ अमेरिका हासिल नहीं कर पाया, उसकी प्राप्ति के वास्ते अब ट्रंप की अरबपति मित्र मंडली विकासशील देशों को घुटनों पर लाने की गलत सलाह दे रही है। लेकिन कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अब अवज्ञा में खड़ी होने लगी हैं, मैं नहीं चाहूंगा कि भारत ऐसा कुछ दिखाए कि यदि उसे कुछ झुकने के लिए कहा जाए, तो ऐसा आभास दे कि वह रेंगने तक को राजी है। यहां मैं एक और कहानी सुनाना चाहूंगा।

कुछ साल पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने टिप्पणी की थी कि चीन के 'खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड' के कारण अमेरिका उसके साथ व्यापार नहीं करेगा। अगले दिन मैंने संयोग से बीबीसी टीवी चैनल चालू किया, जहां एक पत्रकार तत्कालीन चीनी राष्ट्रपति से पूछ रहा था 'अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा व्यापार रोकने वाली धमकी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है।' उनका जवाब भी उतना ही रूखा था -'अमेरिका के साथ व्यापार? जब हमने 4,000 साल से ज़्यादा अमेरिका के साथ व्यापार किया ही नहीं, तो इससे अब क्या फ़र्क पड़ने वाला है?' इस बयान के अगले दिन ही अमेरिकी व्यापार और उद्योग जगत अपने राष्ट्रपति द्वारा चीन के साथ व्यापार बंद करने के आह्वान के विरुद्ध लामबंद हो गया।

आखिरकार बिल क्लिंटन को घरेलू उद्योग लॉबी के सामने झुकना पड़ा और उन्होंने फिर कभी इस मुद्दे को नहीं छेड़ा। नए टैरिफ युद्ध वाले मुद्दे पर फिर से लौटेते हैं, भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के प्रवेश पर नियंत्रण व्यवस्था होने की वजह से ट्रम्प हमारी आलोचना वैश्विक 'टैरिफ किंग' का ठप्पा लगाकर कर सकते हैं (अमेरिका के 5 प्रतिशत आयात शुल्क के मुकाबले भारत का औसतन आयात शुल्क लगभग 39 प्रतिशत है), लेकिन वास्तविकता यह है जो शुल्क भारत ने लगा रखा है, वह विश्व व्यापार संगठन के उस प्रावधान के अनुरूप है जिसमें टैरिफ दर किसी देश के विकास की श्रेणी और व्यापार संहिता में वर्णित 'विशेष एवं विभेदक व्यवहार' नामक आकलन के आधार पर है, सनद रहे कि भारत किसी भी अवस्था में विश्व व्यापार संगठन द्वारा निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं कर रहा। भारत के अपेक्षाकृत उच्च शुल्क उक्त संगठन के नियमन में अंतर्निहित व्यापारिक सिद्धांतों पर आधारित हैं, न कि किसी की व्यक्तिगत सनक अथवा कल्पना से चालित। दूसरी ओर, वास्तव में समस्या अमेरिका द्वारा कृषि के लिए दी जाने वाली भारी सब्सिडी है। इतनी ज्यादा कि 21 जुलाई, 2006 की फाइनेंशियल टाइम्स में लिखते हुए, यूरोपीय संघ के तत्कालीन व्यापार आयुक्त पीटर मैंडेलसन ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकासशील देशों का कहना है कि वे अमेरिका के कृषि उत्पाद अधिक आयात करने को तो राजी हैं, लेकिन अमेरिकी कृषि सब्सिडी नहीं।

इस बाबत उन्होंने भारत के तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमल नाथ को उद्धृत किया था -'हमें अमेरिकी किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कोई एतराज नहीं, लेकिन अमेरिकी खजाने का मुकाबला हम नहीं कर पाएंगे।' सालों-साल अमेरिका ने अपनी कृषि के इर्द-गिर्द बनाए गए भारी सब्सिडी रूपी सुरक्षा दुर्ग को और मजबूत ही किया है। अमेरिकी कृषि विभाग की आर्थिक अनुसंधान सेवा के अनुसार, किसानों और पशुपालकों को प्रत्यक्ष सरकारी कृषि कार्यक्रम के तहत दी जानी वाली सीधी वित्तीय सहायता 2025 में 42.4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि 2024 के लिए पूर्वानुमान 9.3 बिलियन डॉलर का था। प्रति किसान गणना के आधार पर, अमेरिका अपने हरेक किसान की 26.8 लाख रुपये सालाना जितनी वित्तीय मदद करता है।

पेट की गैस से इन घरेलू उपायों से तुरंत मिलेगी निजात

पेट की समस्या उन समस्याओं में से एक है, जो आज कल ज्यादातर लोगों में देखा जा रहा है। इस बीमारी से आपका पेट पूरी तरह से जकड़ा हुआ रहता है। इसके चलते न आपका पेट साफ होता है और न ही आप अच्छे से वॉशरूम जाकर फ्रेश हो पाते हैं। यह न केवल आपकी शारीरिक स्थिति को प्रभावित करती है, बल्कि आपकी मानसिक स्थिति को भी काफी ज्यादा प्रभावित करती है। लंबे समय तक कब्ज बने रहने की दिक्कत से कई परेशानियां खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में आपको जल्द से जल्द इसका इलाज कराना चाहिए। ऐसे में आप देसी नुस्खों को आजमा सकते हैं जिससे आप इस समस्या से जल्दी निजात पा सकते हैं।

नींबू के साथ अजवाइन

अगर आपको लंबे समय से कब्ज की समस्या हो रही है तो आप नींबू के साथ अजवाइन को मिक्स कर के खा सकते हैं, लेकिन इसे आपको खाली पेट करना होगा। आप सुबह उठकर नींबू और अजवाइन का रस पानी में घोल सकते हैं और इसे खाली पेट ही पी सकते हैं। इससे कुछ दिनों में ही आपको पेट की समस्या से राहत मिलने लगेगा। इसमें मौजूद गुण एसिडिटी की समस्या को जड़ से खत्म करने में फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन पेट फूलने की समस्या या ब्लोटिंग में भी बहुत फायदेमंद होता है। वजन कम करने के लिए अजवाइन और नींबू का पानी पीना फायदेमंद होता है। इसका सेवन शरीर की चर्बी को कम करने के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। वजन कम करने के लिए अजवाइन और नींबू का पानी बहुत फायदेमंद है।

इसबगोल

गैस की समस्या से राहत पाने के लिए आप इसबगोल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक प्राकृतिक लैक्सेटिव है, जिससे गैस की समस्या दूर हो जाती है। आपको इसे पानी में मिक्स कर के घोल बनाकर पीना है। इसके बाद यह जल्द ही प्रभावी तरीके से काम करना शुरू कर देता है।

ग्रीन टी का करें सेवन

कब्ज से राहत पाने के लिए आप ग्रीन टी का भी सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते हैं, जो गैस की समस्या को दूर करता है। अगर आपको लंबे समय से कब्ज की दिक्कत है तो सबसे पहले आपको दूध वाली चाय पीने से परहेज करना होगा। दूध वाली चाय पीने से पेट में एसिडिटी पैदा होती है। यह गैस की समस्या को भी काफी बढ़ाती है। ऐसे में ग्रीन टी आपके लिए फायदेमंद है क्योंकि इसे पीकर आप गैस जैसी समस्या से राहत पा सकते हैं। ग्रीन टी में प्रोटीन, आयरन, एनर्जी, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज, सोडियम, नियासिन, कॉपर, जिंक, अमीनो एसिड आदि पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ग्रीन टी का असर आपके मस्तिष्क की सेहत पर भी पॉजिटिव रूप से होता है। इस चाय को पीने से मूड बूस्ट होता है। यदि आपका वजन बढ़ रहा है तो आप ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। यदि आप बीमारियों से बचे रहना चाहते हैं तो ग्रीन टी का सेवन करें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बूस्ट करती है।

पपीता

अगर आपको लगातार गैस और कब्ज की समस्या हो रही है तो आप रोजाना पपीता का सेवन भी कर सकते हैं। इसमें पपैन नाम के एंजाइम होते हैं, जो प्रोटीन को तोड़ने में मदद करता है। इसका सेवन कर के आप कब्ज की समस्या से काफी जल्दी राहत पा सकते हैं। पपीते में उच्च मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। साथ ही ये विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है। अपने इन्हीं गुणों के चलते ये कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में काफी असरदार है। एक मध्यम आकार के पपीते में 120 कैलोरी होती है। रोग प्रतिरक्षा क्षमता अच्छी हो तो बीमारियां दूर रहती हैं। पपीते में विटामिन ए भी पर्याप्त मात्रा में होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ ही बढ़ती उम्र से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान में भी कारगर है।

हंसना मना है

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब- जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति- काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता.. पत्नी- हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता..!

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे, पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढक निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारूं .. तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर-50 हजार संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्च से ज्यादा कमा सके..एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी TB बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

कहानी — ब्राह्मण और सांप

एक नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके पास खेत थे, लेकिन उनमें ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। ब्राह्मण ने निर्णय लिया कि वह आज से इस देवता की पूजा करेगा। हरिदत्त कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। ऐसा कहकर हरिदत्त अपने घर वापस आ गया। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और मन ही मन सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, लेकिन उसे सांप का बहुत डर था। बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं तसल्ली से बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में अपने विष भरे दांतों से काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दुःख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

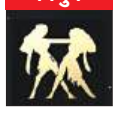

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह

पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या

पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

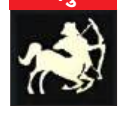

यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर

कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी सनी देओल की फिल्म 'जाट'

शनिवार, 22 मार्च के दिन सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट का ट्रेलर रिलीज होने वाला था, लेकिन फिल्म निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज को टाल दिया है। फैंस को फिल्म की झलक देखने के लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। आइए जानते हैं आखिर क्या कहा फिल्म निर्माताओं ने..

गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बनी एक्शन फिल्म 'जाट' के ट्रेलर का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। आज 22 मार्च को ट्रेलर रिलीज की आधिकारिक घोषणा की गई थी। हाल ही में फिल्म के प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया गया, जिसमें लिखा कि जाट ट्रेलर रिलीज को स्थगित कर दिया गया है। साथ ही लिखा कि जल्द ही एक नई तारीख की घोषणा की जाएगी। इस फैसले ने फैंस के इंतजार को और बढ़ा दिया है।

सनी देओल और रणदीप हुड्डा के अलावा फिल्म में विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित इस फिल्म के एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने तैयार किया है। एस थमन ने शानदार साउंडट्रैक तैयार किया है और ऋषि पंजाबी सिनेमैटोग्राफर हैं। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सनी देओल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'गदर 2' में देखा गया था। सनी के आगामी कार्यों को देखा जाए तो उनके पास आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाहौर 1947' और जेपी दत्ता की 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' भी है। चर्चा है कि अभिनेता को लेकर 'गदर 3' बनाई जा सकती है, लेकिन निर्माताओं द्वार इसे लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आई है।

17 अप्रैल को सिनेमाघरों में दिखेगा तमन्ना भाटिया का रौद्र रूप

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म का टीजर और पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं, जिसने दर्शकों का उत्साह ब?ाया था। वहीं, अब निर्माताओं ने दर्शकों को खास तोहफा देते हुए शनिवार, 22 मार्च 2025 को आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया।

फिल्म के निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया। तमन्ना भाटिया की फिल्म 17 अप्रैल को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले सप्ताह में रिलीज होने की उम्मीद है। अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा।

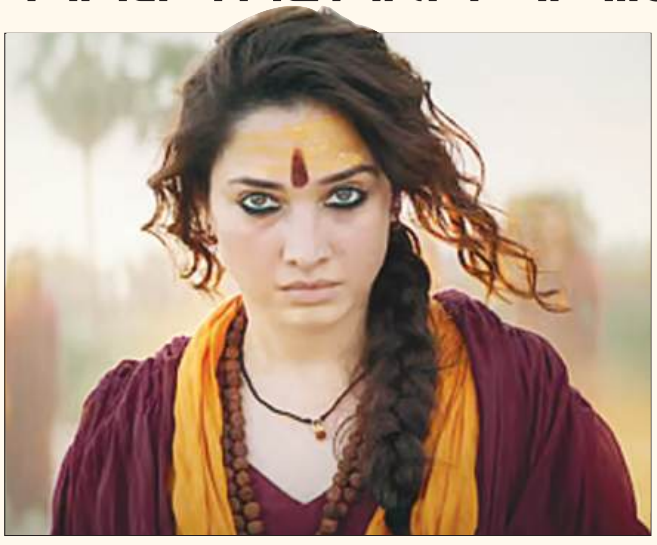

वहीं, फिल्म के नए पोस्टर की बात करें तो इसमें तमन्ना का नया भयंकर रूप देखने को मिला। तमन्ना के चेहरे पर गहरे घाव और खून के निशान हैं। इसके साथ ही उनका लुक काफी गंभीर नजर आ रहा है। बैकग्राउंड में पवित्र शहर वाराणसी को भी दिखाया गया है। पोस्टर में भी रहस्य बना हुआ है। वहीं, फिल्म के ट्रेलर के बारे में अधिकारी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

फिल्म का दमदार टीजर कुछ हफ्ते पहले प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान जारी किया गया था। यह फिल्म 2021 की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है। इस फिल्म में तमन्ना नागा साधु के अवतार में नजर आएंगी। दिसंबर 2024 में तमन्ना के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म से उनका लुक जारी किया गया था। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है। हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। अजनीश लोकनाथ ने संगीत तैयार किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

सेट पर अभिनेत्रियों से होता है लैंगिक भेदभाव : पूजा हेगड़े

फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है, इसमें सबकी भागेदारी होती है। फिल्म के सेट पर अभिनेत्रियों को लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कई बार तो हमें पोस्टर पर क्रेडिट तक नहीं दिया जाता है। यह कहना है अभिनेत्री पूजा हेगड़े का, जिन्होंने हिंदी भाषा के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम किया है। फिल्मफेयर के साथ अपनी हालिया बातचीत में पूजा ने इंडस्ट्री में लैंगिक भेदभाव और बड़े-बड़े स्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा किया। बातचीत के दौरान पूजा ने किसी मेल स्टार के साथ काम करने के दौरान आने वाली परेशानियों पर खुलकर बात करते हुए कहा, यह सभी उद्योगों में है। किसी में काफी बड़े स्तर पर है, तो किसी में छोटे स्तर पर है। ये छोटी-छोटी बातें हैं, जैसे- पुरुष अभिनेता की वैनिटी वैन सेट के पास में खड़ी होती है, जबकि हम लोगों को अपने लहंगे और ड्रेसेज को उठाकर दूर तक चलना पड़ता है। कभी-कभी मैं सोचती हूं, सुनो यार, हमारे बारे में सोचो। हम इतने भारी कपड़ों में हैं और हमें अपनी वैन्स तक पहुंचने के लिए खुद को घसीटना पड़ता है। पूजा ने आगे लैंगिक भेदभाव को लेकर कहा, यह जटिल लैंगिक भेदभाव है। यह भी हो सकता है कि आपका नाम फिल्म के पोस्टर पर न हो। कई बार आपको श्रेय तक नहीं दिया जाता, जबकि भले ही वो एक लव स्टोरी ही क्यों न हो। हम सभी को ये एहसास होना चाहिए कि फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है। मैंने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, जिन्होंने कई दशकों की मेहनत से ये अधिकार कमाया है। लेकिन मुझे कई ऐसे सेट पर भी दूसरे दर्जे का एहसास कराया गया है, जहां तकनीकी रूप से मैं बड़ी स्टार थी। सलमान खान और प्रभास जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव और उनसे क्या कुछ सीखने को मिला, इस पर बात करते हुए पूजा ने कहा, अनुष्का शर्मा ऐसी हैं जिन्हें मैं काफी पसंद करती हूं। मैं उनसे जुड़ाव महसूस कर पाती हूं, क्योंकि उन्हें किसी का समर्थन नहीं मिला, इंडस्ट्री में उनका कोई गॉडफादर नहीं था। मुझे लगता है हम एक जैसे इंसान हैं। उन्हें पार्टी में जाना अच्छा नहीं लगता और मुझे भी नहीं पसंद है। भगवान का शुक्र है कि यहां कोई मेरे जैसा है। हॉलीवुड में स्कारलेट जोहानसन ऐसी कलाकार हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है।

वो सड़क पर हलक में अटकी रहती है ड्राइवर की सांस, कमजोर दिलवालों को आ जाएगा अटैक!

अगर कोई अच्छे से गाड़ी चलाना जानता हो तो उसे रोड पर डरने की जरूरत नहीं होती। अपनी सूझबूझ से लोग बड़ी आसानी से गाड़ी चला सकते हैं। पर दुनिया में कुछ रोड ऐसी भी हैं, जो इतनी खतरनाक हैं कि वहां एक्सपर्ट से एक्सपर्ट ड्राइवर भी डर जाएगा और उसकी सांस अटक जाएगी! आज हम आपको एक ऐसी ही रोड के बारे में बताने जा रहे हैं जो तुर्की मे है। यहां अगर कोई कमजोर दिल वाला गाड़ी चलाए, तो उसे हार्ट अटैक ही आ जाए! ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी तुर्की में ऑफ और बेबर्ट नाम के दो शहरों को एक रोड जोड़ती है जो 105 किलोमीटर लंबी है। इसका नाम है ष915। इस रोड को दुनिया की सबसे खतरनाक सड़क माना जाता है। ये रोड तुर्की के नॉर्थ-ईस्ट एंटोलिया प्रांत को काले सागर से जोड़ती है। इस सड़क पर कई मुश्किल मोड़ हैं जिसमें गाड़ी चलाना काफी मुश्किल है। इस रोड का इतिहास 1916 से जुड़ा है जब रूसी सेना ट्रैबजॉन नाम के शहर पर कब्जा किया था। उस वक्त सेना ने हाथों से इस्तेमाल किए जाने वाले औजारों से इस सड़क का निर्माण किया था। उस वक्त सड़क के दोनों ओर कुछ भागों पर डामर बिछा दिया गया था, मगर अधिकांश भाग अभी भी ढीली बजरी से बना हुआ है। शुरू-शुरू में तो सड़क आपको खतरनाक नहीं लगेगी मगर जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे और डामर की जगह आपको बजरी मिलेगी, तब आपको डर बढ़ता जाएगा। इस रोड पर 38 बेहद शार्प मोड़ हैं, जिन्हें हेयरपिन टर्न कहते हैं। पर सबसे खतरनाक मोड़ का नाम है डेरेबासी मोड़। ऐसे 17 मोड़ इस रोड पर मौजूद हैं जो करीब 5 किलोमीटर लंबे रास्ते पर हैं और समुद्र तल से 5600-6600 फीट तक की ऊंचाई पर मौजूद हैं। रोड के बगल में कोई गार्ड रेल भी नहीं बना है जिससे गाड़ियों को नीचे गिरने से रोका जा सके। जिस जगह पर रोड सबसे ज्यादा पतली है, वहीं पर एक बार में 1 ही गाड़ी निकल सकती है। जब मौसम खराब होता है तो ये रोड और भी ज्यादा खतरनाक हो जाती है। बर्फबारी, बारिश की वजह से ये रोड अक्टूबर से लेकर जून तक बंद रहती है। क्या आपको इस रोड के बारे में पहले से पता था?

अजब-गजब | यहां 427 वर्षों से निभाई जा रही है अजीबो-गरीब परंपरा

शीतला अस्टमी पर यहां जिंदा व्यक्ति की निकाली जाती है शवयात्रा, महिलाओं का प्रवेश होता है वर्जित

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा की एक ऐसी अनोखी परंपरा है, जिसका पिछले सवा 400 सालों से निर्वहन किया जा रहा है। इस परंपरा के तहत जीवित व्यक्ति को अर्थी पर लेटाया जाता है और फिर गाजे-बाजे के साथ रंग-गुलाल उडाते हुए पूरे शहर में उसकी शव यात्रा निकाली जाती है। उसके बाद एक निश्चित स्थान पर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया जाता है। मगर इससे पहले अर्थी पर लेटा युवक किसी तरह अर्थी से कूदकर भाग जाता है। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में शीतला सप्तमी पर पिछले 427 सालों से यह परपंरा इला जी का डोलका यानी कि जिंदा मुर्दे की शव यात्रा की परंपरा निभाई जा रही है।

होली के 7 दिन बाद यह सवारी निकाली जाती है। जिसकी शुरूआत शहर के चित्तौड़ वालों की हवेली से होती है। जहां पर एक युवक को अर्थी पर लेटा दिया जाता है और फिर ढोल-नंगाडों के साथ शव यात्रा शुरू होती है। शव यात्रा में अर्थी पर लेटा व्यक्ति कभी बैठ जाता है तो कभी उसका एक हाथ बाहर निकलता है। इस शव यात्रा में शामिल होने के लिए भीलवाड़ा एवं आस-पास के जिलों से भी लोग आते हैं और जमकर रंग-गुलाल उड़ाते हुए आगे बढते जाते है। इस दौरान यहां पर जमकर फब्तियों का प्रयोग किया जाता है।

जिसके कारण इस सवारी में महिलाओं का प्रवेश वर्जित रखा जाता है। यह सवारी रेलवे स्टेशन चौराहा, गोल प्यापऊ चौराहा, भीमगंज थाना होते हुए बड़ा मंदिर पहुंचती है। यहां पहुंचने पर अर्थी पर लेटा युवक नीचे कूदकर भाग जाता है और प्रतिक के तौर पर अर्थी का बड़ा मंदिर के पीछे दाह संस्कार कर दिया जाता है।

पदमश्री बहरूपिया कलाकार जानकीलाल भांड ने बताया कि शीतला सप्तमी के दिन गुलमंडी से लेकर बड़े मंदिर और धान मंडी तक सभी लोग मुर्दे की सवारी निकालते है। चित्तौड़ वालों की हवेली के बाहर से मुर्दे की सवारी ढोल, नंगाड़े, ऊंट घोड़ों के साथ सवारी निकाली जाती है। इस मुर्दे की सवारी में महिलाएं भाग नहीं लेती है और दूर से ही इसको देखती हैं। शहरवासी कैलाश जीनगर ने कहा कि शितला सप्तमी के अवसर पर कई वर्षों से यह मुर्दे की सवारी निकाली जाती है। यह परम्परा राजा-महाराजाओं के वक्त से शुरू हुई थी जो आज तक निरंतर जारी है। मुर्दे की सवारी में चित्तौड़ वालों की हवेली से एक जीवित व्यक्ति को अर्थी पर लेटाया जाता है और फिर गाजे-बाजे के साथ शहर में रंग-गुलाल उड़ाते हुए हंसी-टटोली के साथ यह सवारी निकाली जाती है। जब यह सवारी बड़े मंदिर के पास पहुंचती है तो जीवित व्यक्ति अर्थी छोड़कर भाग जाता है और प्रतिकात्मक रूप में अर्थी का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है।

इस शव यात्रा के दौरान जो भी व्यक्ति इस में शामिल होता है, वह अपने अंदर छिपी बुराइयों और भड़ास को बाहर निकलता है और फिर नई शुरुआत करता है। हर साल निकलने वाली यह जिंदा मुर्दे की शव यात्रा में जिंदा मुर्दा कोई फिक्स आदमी नहीं होता है। हर साल आदमी बदलता रहता है। मुर्दे बनने का काम कठिन है, उसे काफी कुछ सहना पड़ता है। यात्रा के दौरान मुर्दा भी दम साधे पड़ा रहता है। अंतिम यात्रा के दौरान पुतला भी साथ ले जाया जाता है। मुर्दा व्यक्ति कभी भी तंग होकर अर्थी से उठकर भाग जाता है। उसके भागने के बाद पुतले को अर्थी पर लेटा दिया जाता है और उसके बाद अंतिम संस्कार किया जाता है।

वक्फ विधेयक संविधान पर हमला

जयराम बोले- यह अल्पसंख्यकों की संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश

» कहा- सामाजिक सद्भाव के सदियों पुराने बंधनों को नुकसान पहुंचाना चाहती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को संविधान पर हमला करार देते हुए आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून सामाजिक सद्भाव के सदियों पुराने बंधनों को नुकसान पहुंचाने के भाजपा के लगातार जारी प्रयासों का हिस्सा है। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि यह दुष्प्रचार और पूर्वाग्रह पैदा करके अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करने की भाजपा की कोशिशों का भी हिस्सा है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 अत्यंत दोषपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि यह झूठा प्रचार करके और पूर्वाग्रह पैदा करके अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करने का भाजपा का निरंतर प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक का उद्देश्य उन संवैधानिक प्रावधानों को कमजोर करना है जो हर धर्म के नागरिकों को समान अधिकार और सुरक्षा की गारंटी देते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह अल्पसंख्यक समुदाय की परंपराओं और संस्थाओं को बदनाम करने की भाजपा की रणनीति और लगातार कोशिशों का हिस्सा है ताकि चुनावी लाभ के लिए समाज को स्थाई ध्रुवीकरण की स्थिति में रखा जा सके। उन्होंने कहा विधेयक पांच कारणों से गंभीर रूप से दोषपूर्ण है। रमेश ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कानूनों के तहत वक्फ प्रबंधन के लिए बनाए गए सभी संस्थानों की स्थिति, संरचना और अधिकार को सुनियोजित तरीके से कम करने का प्रयास किया गया है, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय को अपनी धार्मिक परंपराओं और धार्मिक संस्थाओं के प्रशासनिक अधिकार से वंचित किया जा सके। उन्होंने कहा, अपनी भूमि को कौन वक्फ उद्देश्यों के लिए दान कर सकता है, इसे तय करने में जानबूझकर अस्पष्टता लाई गई है। इस वजह से वक्फ की परिभाषा ही बदल गई है। रमेश ने कहा कि लंबे समय से निर्बाध जारी परंपरा के आधार पर देश की न्यायपालिका द्वारा विकसित किए गए उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की अवधारणा को समाप्त किया जा रहा है। यह विधेयक उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ को हटाता है, जिसमें संपत्तियों को केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए लंबे समय तक उपयोग के आधार पर वक्फ माना जा सकता है।

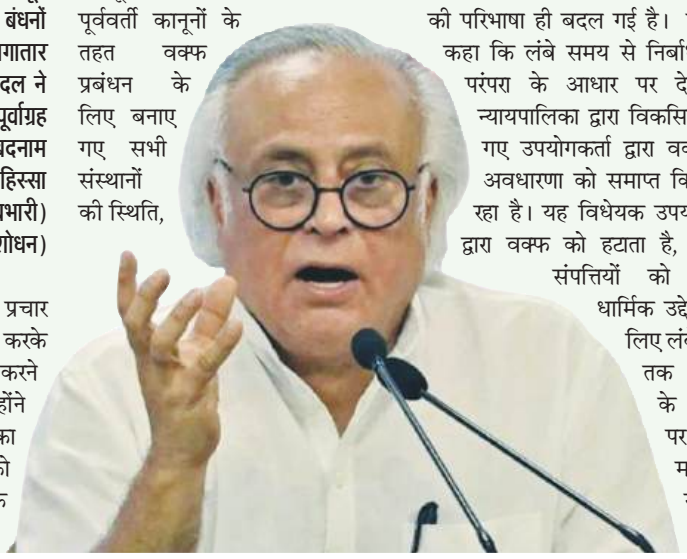

रमेश ने कहा, वक्फ प्रशासन को कमजोर करने के लिए मौजूदा कानून के प्रावधानों को बिना किसी कारण के हटाया जा रहा है। साथ ही, वक्फ की जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों को बचाने के लिए अब कानून में और अधिक सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं।

जेपीसी में बिना किसी विस्तृत चर्चा के जबरन पारित किया गया बिल

उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों और उनके पंजीकरण से जुड़े मामलों में जिलाधिकारी और राज्य सरकार के अन्य नामित अधिकारियों को व्यापक अधिकार दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार के अधिकारियों के पास अब किसी की शिकायत पर या वक्फ संपत्ति के सरकारी संपत्ति होने के आरोप मात्र पर अंतिम निर्णय होने तक किसी भी वक्फ की मान्यता रद्द करने का अधिकार होगा। रमेश ने कहा, यह याद रखना आवश्यक है कि 428 पृष्ठों की रिपोर्ट को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में बिना किसी विस्तृत अनुच्छेद-दर-अनुच्छेद चर्चा के जबरन पारित कर दिया गया। यह सभी संसदीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, मूल रूप से विधेयक भारत के संविधान पर ही हमला है। उनकी टिप्पणी संसद की संयुक्त समिति द्वारा विधेयक पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद आई है। हालांकि, इसे अभी तक सूचीबद्ध नहीं किया गया है, लेकिन अटकलें हैं कि प्रस्तावित विधेयक को चालू बजट सत्र के दौरान संसद में पारित करने के लिए पेश किया जा सकता है।

आपदा से हुए नुकसान के लिए हिमाचल को मिले मुआवजा : सुक्खू

» केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मिले सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से वर्ष 2023 के मानसून में भीषण प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रदेश को हुए भारी नुकसान के लिए मुआवजा जारी करने का आग्रह किया। लेकिन केंद्र सरकार की ओर से अभी तक राहत राशि प्रदान नहीं की गई है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि प्राकृतिक आपदा के दौरान पेयजल, सिंचाई योजनाएं, अधोसंरचना, सड़कों और पुलों को भारी क्षति पहुंची थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने संसाधनों का उपयोग कर जन जीवन सामान्य करने के लिए राहत और पुनर्वास कार्य किए।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ प्रदेश हित से जुड़े विभिन्न मामलों पर भी चर्चा की। गृह मंत्री ने प्रदेश को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व ओंकार चंद शर्मा उपस्थित थे। सुक्खू ने कहा कि बैठक के दौरान मैंने पीडीएनए के तहत केंद्रीय टीम की ओर से बनाए गए अनुमानों पर चर्चा की। एक साल से अधिक समय हो गया है और हमने पीडीएनए के तहत हमें जो राशि मिलनी चाहिए थी, उसके बारे में बात की है। गृह मंत्री ने कहा कि जल्द ही एक बैठक होगी और समस्या का समाधान किया जाएगा।

मप्र में किसान घाटे में: पटवारी

» पीसीसी चीफ का तंज, बोले- सरकार करे गुणवत्तापूर्ण टमाटर की मार्केटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में किसानों को हो रहे नुकसान को लेकर एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने चिंता जताई है। उन्होने ने कहा है किसान घाटे में चल रहे हैं। सरकार किसानों को लाभ की बिक्री सुनिश्चित करे। जीतू पटवारी ने ट्वीट कर कहा कि मप्र में 2 साल में टमाटर का उत्पादन करीब 5 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ गया है! साल 2022 में उत्पादन 32.73 मीट्रिक टन हुआ था! उस समय रकबा एक लाख 14 हजार 501 हेक्टेयर था! जो बढ़कर, साल 2024 में एक लाख 27 हजार 740 हेक्टेयर हो गया है!

रकबा बढ़ने से अब टमाटर का उत्पादन भी 36 लाख 94 हजार 702 मीट्रिक टन हो गया है! किंतु, किसान फिर घाटे में हैं! जीतू पटवारी ने आगे कहा कि गेहूं, धान, सोयाबीन की फसलों में नुकसान उठा रहे मप्र के किसान अब टमाटर में भी करोड़ों के घाटे में आ गए हैं! सीएम को अब मप्र के गुणवत्तापूर्ण टमाटरों की मार्केटिंग कर, किसानों की लाभ की बिक्री सुनिश्चित करनी चाहिए!

किसान अब टमाटर में भी आए करोड़ों के घाटे में

शहीदों का अपमान करती है बीजेपी: केजरीवाल

» बोले- हम भगत सिंह और बाबा साहब आंबेडकर को अपना आदर्श मानते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम भगत सिंह और बाबा साहब आंबेडकर को अपना आदर्श मानते हैं। हमारे घर और दिल्ली और पंजाब सरकार के हर दफ्तर में इनकी तस्वीरें लगी हुई हैं। दिल्ली में नई सरकार ने सबसे पहला काम ये किया कि इनकी तस्वीरें हटा दीं। शहीद दिवस के मौके पर आयोजित एक शाम, शहीदों के नाम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ आप नेता मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज, नेता प्रतिपक्ष आतिशी व गोपाल राय समेत अन्य वरिष्ठ नेता, सभी पदाधिकारी, विधायक, प्रत्याशी, पार्षद समेत बड़ी तादात में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति संगीत कार्यक्रम के साथ हुआ और अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखेदव की तश्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि आज भी हर भारतीय युवा के दिल में भगत सिंह बसते हैं। हमने उन्हें अपना आदर्श माना है, उनकी विचारधारा पर चलते हुए देश की सेवा करते रहेंगे। उनकी शहादत के लगभग 100 साल हो गए। 100 साल बाद भी आज के एक-एक नौजवान के दिल के अंदर भगत सिंह बसते हैं।

भाजपा ने हटाई अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीर

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली में सरकार बनने के बाद बाबा साहब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर हटाने का काम किया। हमारे फैसले का कांग्रेस और उसके समर्थकों ने हमारी बहुत निंदा की थी। लेकिन जब भाजपा ने बाबा साहब और भगत सिंह की तस्वीरें हटाई तो कांग्रेस कुछ नहीं बोली। केजरीवाल ने कहा कि जब मैं जेल गया और मैंने एलजी को दो लाइन की एक चिट्ठी लिखी। जब मैं जेल में था, मैं मुख्यमंत्री था। मैंने इस्तीफा नहीं दिया था। 15 अगस्त के मौके पर मुख्यमंत्री झंडा फहराता है। जेल में मुझे चिंता हुई कि 15 अगस्त को इस बार कौन झंडा फहराएगा? मैंने एलजी साहब को चिट्ठी लिखी कि चूंकि मैं जेल में हूं, मैं झंडा नहीं फहरा पाउंगा। इसलिए इस बार 15 अगस्त को हमारी मंत्री आतिशी को झंडा फहराने की इजाजत दी जाए। लेकिन मेरा पत्र एलजी तक नहीं पहुंचा।

लखनऊ-दिल्ली जीत के साथ करना चाहेंगे आगाज

» दोनों टीमों में मुकाबला आज, विशाखापत्तनम की पिच पर स्पिनर्स का दिखेगा जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। बीते सीजन में दोनों टीमों के कप्तान रहे खिलाड़ी अब बदल गए हैं। दिल्ली की कमान संभालने वाले ऋषभ पंत इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं। वहीं केएल राहुल जो लखनऊ के कप्तान थे अब वह दिल्ली का हिस्सा हैं। हालांकि इस टीम की कमान ऑलराउंडर अक्षर पटेल के हाथों में है। यह लगातार दूसरा वर्ष होगा जबकि दिल्ली की टीम अपने दो घरेलू मैच यहां खेलेगी।

अब अगर पिच की बात करें, तो ये विकेट काली मिट्टी से बना है, जहां बल्ले और गेंद के बीच अच्छा संतुलन देखने को मिलता है तेज गेंदबाजों को शुरुआती ओवर में थोड़ी मदद मिलेगी, इसके बाद उन्हें पिच से अधिक मदद नहीं मिलेगी। इस मैदान पर पहली पारी का औसतन स्कोर 170 है। इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2024 में 272 का स्कोर किया था। वहीं सबसे छोटे स्कोर का रिकॉर्ड मुंबई ने 2016 में 92 रन किया था। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच अब तक पांच खेले गए हैं। इन 5 मैचों में से उसे तीन में जीत मिली है। वहीं दिल्ली दो बार जीता है।

मुंबई लगातार 13वीं बार हारी पहला मैच

चेन्नई। रचिन रवींद्र और ऋतुराज गायकवाड़ की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को चार विकेट से हराकर जीत के साथ आगाज किया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में पहला मैच खेलने उतरी मुंबई को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। 2012 के बाद से मुंबई किसी भी आईपीएल सत्र में अपना पहला मुकाबला नहीं जीत पाई है। यह उनकी पहले मैच में लगातार 13वीं हार है।

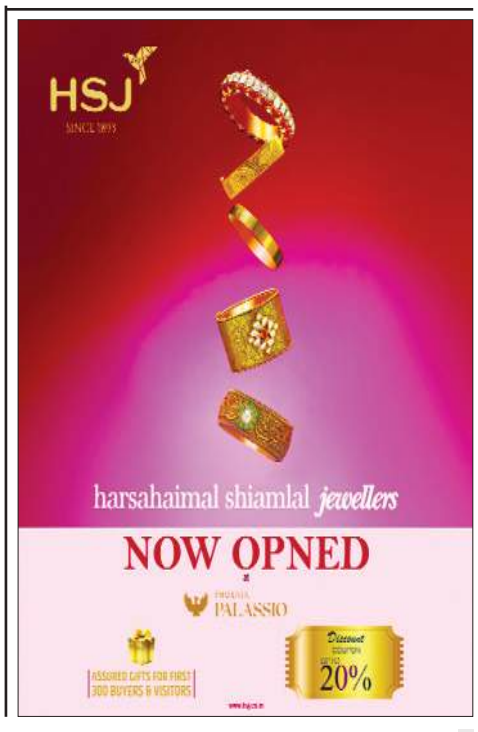

कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण पर राज्यसभा में भारी हंगामा

» कांग्रेस व भाजपा में जमकर वार-पलटवार, किरेन रिजिजू ने पूछा- कांग्रेस क्यों बदलना चाहती संविधान

» खरगे बोले- हम संविधान के रक्षक हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुसलमानों को आरक्षण देने के फैसले पर सोमवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसे संविधान बदलने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कोई संविधान को नहीं बदल रहा है। हम संविधान के रक्षक हैं।

भाजपा सांसदों के भारी हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में किरेन रिजिजू ने पूछा कि कांग्रेस संविधान को क्यों बदलना चाहती है? वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को यह मुद्दा राज्यसभा में उठाया।

आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता : खरगे

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को कोई नहीं बदल सकता है। आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता। इसे बचाने के लिए हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा की। वे (एनडीए सांसदों की ओर इशारा करते हुए) भारत को तोड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। अगर हिम्मत है तो आज ही उपमुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगें।

भाजपा बोली कांग्रेस का असली चेहरा सामने आया

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा आज सामने आ गया है। आज उनका चरित्र सामने आ गया है। डीके शिवकुमार कोई साधारण नेता नहीं हैं। वे गांधी परिवार और राहुल गांधी के करीबी हैं। नेहरू जी ने अपनी महत्वाकांक्षा को जिंदा रखने के लिए देश का बंटवारा किया। पीएम बनने के लिए उन्होंने धर्म के आधार पर मां भारती के दो टुकड़े किए। आज गांधी परिवार वही कर रहा है। वे मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देने की बात कर रहे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर इसके खिलाफ थे। वे एक बार फिर भारत का बंटवारा चाहते हैं क्योंकि राहुल गांधी राजनीतिक रूप से अयोग्य हैं। वे देश को बांटकर और देश के संविधान को बदलकर कहीं नेता बनने की साजिश कर रहे हैं। भारत इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

ऐसी कॉमेडी बर्दाश्त नहीं, माफी मांगें कुणाल कामरा : फडणवीस

» शिंदे पर टिप्पणी मामले में एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी को लेकर कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कामरा को अपने कटाक्ष के लिए माफी मांगनी चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि शिंदे का अपमान किया गया है। फडणवीस ने कहा कि कानून के मुताबिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी, कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए।

फडणवीस ने कहा एकनाथ शिंदे जी का अपमान किया गया है, और ऐसा करने की कोशिश की गई है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनावों ने साबित कर दिया है कि देशद्रोही कौन हैं। किसी भी स्टैंड-अप कॉमेडियन को इतने बड़े नेता को देशद्रोही कहने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

फडणवीस ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, स्टैंड-अप कॉमेडी करने की आज़ादी है, लेकिन वह जो चाहे बोल नहीं सकते। महाराष्ट्र की जनता ने तय कर लिया है कि देशद्रोही कौन है। कुणाल कामरा को माफ़ी मांगनी चाहिए। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कॉमेडी करना हर किसी का अधिकार है, कोई हम पर मज़ाक कर सकता है, लेकिन अपमानजनक बयान देना स्वीकार नहीं किया जा सकता। अगर यह जानबूझकर हमारे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, तो यह सही नहीं है। कुणाल कामरा की एक्स पोस्ट, जिसमें उन्होंने लाल रंग की संविधान की किताब पकड़ी थी, और राहुल गांधी के 2024 विवाद के बीच समानताएं बताते हुए, जब उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान संविधान की लाल रंग की प्रति दिखाई थी, फडणवीस ने कहा, कुणाल कामरा ने राहुल गांधी द्वारा दिखाई गई वही लाल संविधान की किताब पोस्ट की है। दोनों ने संविधान नहीं पढ़ा है। संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन इसकी सीमाएं हैं।

कामरा के स्टूडियो पर शिवसैनिकों ने की तोड़-फोड़

कामरा ने मुंबई के खार में द यूनिकॉन्टिनेंटल मुंबई में परफॉर्म करते हुए शिंदे को देशद्रोही कहा और बॉलीवुड फिल्म दिल तो पागल है के एक हिंदी गाने के संशोधित संस्करण का इस्तेमाल करके उद्धव ठाकरे के खिलाफ शिंदे के 2022 के विद्रोह पर कटाक्ष किया। जैसे ही उनकी टिप्पणी के कई वीडियो वायरल हुए, रविवार रात बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकर्ता होटल यूनिकॉन्टिनेंटल के बाहर जमा हो गए, जहां स्टूडियो स्थित है। उन्होंने कथित तौर पर स्टूडियो और होटल परिसर में तोड़फोड़ की। गौरतलब है कि हैबिटेट स्टूडियो, जहां कामरा का शो आयोजित किया गया था, वही जगह है जहां विवादास्पद इंडियाज गॉट लेटेंट शो फिल्माया गया था।

सरकार बदलो-बिहार बदलो : पवन खेड़ा

» कांग्रेस नेता बोले- 20 सालों से राजग सरकार लोगों को बेवकूफ बना रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अब बिहार को बदलना है, तो बिहार की सरकार को बदलना है। सरकार बदलो-बिहार बदलो। यह कहना है कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का। दरअसल 2025 में ही बिहार विधान सभा चुनाव होने हैं, इसलिए कांग्रेस अब अपने पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। इस दौरान कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों पर जोरदार हमला किया।

पवन खेड़ा ने कहा कि- अगर हमें बिहार को बदलना है तो हमें मौजूदा सरकार को बदलना होगा।' इसलिए सरकार बदलो-बिहार बदलो' का नारा हम यहां से दे रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में पिछले 20 सालों से नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। सरकार में रहकर यह लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार की अस्पतालों की हालत सबसे अधिक खराब है। यहां सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य की बात नहीं है, ये बिहार के स्वास्थ्य की बात है। उन्होंने आगे कहा कि जातीय जनगणना को लेकर सरकार के लोगों ने ही सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करके जाति जनगणना पर रोक लगवा दिया है। आज हम यहाँ से नारा लगा रहे हैं सरकार बदलो बिहार बदलो बिहार में हर एक व्यक्ति है जो स्वीकार करता है कि सरकार ने उसे बेवकूफ बनाया है। पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव के पहले हम मीडिया के सामने विभिन्न मुद्दे उठाएंगे और कांग्रेस के पास मौजूद समाधान भी देंगे। प्रदेश अध्यक्ष और बिहार प्रभारी बदल गए हैं। पार्टी मजबूती के साथ काम करेगी। पवन खेड़ा ने कहा कि मौसम भी बदल रहा है। सरकार भी बदलेगी।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा से राजद से गठबंधन का सवाल पूछा गया, तो वो टाल गए। उन्होने कहा कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। चुनाव में अभी 8 महीने का समय बाकी है। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार की मौजूदगी में पवन खेड़ा ने कहा कि हमें बिहार के स्वास्थ्य की चिंता है।

बिहार में अपराधी ही हुक्मरान हैं : रोहिणी आचार्य

» राजद नेत्री बोलीं - राज्य में खून की होली अनवरत जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेत्री रोहिणी आचार्य ने बिहार में बढ़ते अपराधों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) वाली सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रंगों की होली तो खत्म हो चुकी है, लेकिन बिहार में खून की होली अनवरत जारी है।

रोहिणी ने प्रदेश की अराजक स्थिति को मुख्यमंत्री के होशो-हवास में न होने से जोड़ा है। उनका कहना है कि वर्तमान बिहार की दु:खद हकीकत यह है कि यहां अपराधी ही हुक्मरान हैं। हत्या, लूट, डकैती और गोलीबारी की घटनाओं से समाचार पत्रों के पन्ने रोज भरे रहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री और सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं की बदजुबानी और झूठ बोलने की कला में कोई कमी नहीं आई है।

सरकार में बैठे लोगों की दलीलें बेशर्मी भरी

रोहिणी आचार्य ने कहा कि इसके बावजूद, सरकार में बैठे लोगों की बेशर्मी भरी दलीलें हैं कि यहां कानून का राज है और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सरकार गंभीर है। यह स्थिति बिहार की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाती है और विपक्ष के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बन चुका है।

आम नागरिक से लेकर खास तक कोई भी सुरक्षित नहीं

अपराध का तांडव सरकार के सामने है, लेकिन यह सब देख कर भी सरकार नतमस्तक है। रोहिणी आचार्य ने यह भी उल्लेख किया कि पूरी दुनिया में इस समय चर्चा का विषय बन गया है कि पूरे बिहार में भय का माहौल है और सर्वत्र हाहाकार है। आम नागरिक से लेकर खास तक कोई भी सुरक्षित नहीं है।

सत्ता पक्ष 'अलबल बोलने वाला' : लालू प्रसाद यादव

बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने कहा कि अपने भाषण में उन्होंने सत्ता पक्ष पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि जो भी अलबली बातें कर रहे है, जनता उन पर ध्यान न दे। उन्होंने कहा कि अब समय बदलाव का है और बिहार की जनता बदलाव चाहती है, जो तेजस्वी यादव के रूप में मिलेगा।

पुलिस ऐक्शन मोड में, बिहार में 2005 की तरह खुलकर मुठभेड़ शुरू हो गई है : विजय सिन्हा

बिहार मे पुलिस अधिकारियो पर लगातार हो रहे हमलो की पृष्ठभूमि मे राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि पुलिस ऐक्शन मोड मे आ गई है और राज्य मे 2005 की तरह खुलकर मुठभेड़ शुरू हो गई है, ताकि जनता को अपराधियो से सुरक्षित रखा जा सके। सिन्हा का बयान बिहार की राजधानी पटना मे मुठभेड़ के बाद एक कुख्यात अपराधी भरत कुमार समेत तीन बदमाशो को गिरफ्तार किए जाने के बाद आया है। राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा, चार्टर्ड विमान मे जन्मदिन मनाने वाला जनता की सेवा नही कर सकता। क्या ऐसा व्यक्ति बिहार के श्रमिको का सम्मान कर पाएगा, जो अपने आपको राजा-रानी का पुत्र समझता हो या जनता का मालिक बनना चाहता हो। ऐसा व्यक्ति जनता की सेवा नही कर सकता।

नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर के अवैध हिस्से को जमीदोज कर दिया गया है। नगर निगम अधिकारियों ने सोमवार को इसे ध्वस्त कर दिया। फहीम खान पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है।

नोटिस के बाद भी उसने अवैध ढांचे को नहीं हटाया। वह अल्पसंख्यक लोकतांत्रिक पार्टी (एमडीपी) का नेता भी है। फहीम खान महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 17 मार्च को हुई हिंसा के लिए गिरफ्तार किए गए 100 से अधिक लोगों में शामिल है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक कार्य वापस लिया

» सीजेआई केआदेश पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आवास पर नकदी मिलने के मामले में जांच का सामना कर रहे दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक कार्य वापस ले लिया है।

सुप्रीम कोर्ट प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के विरुद्ध उच्च स्तरीय जांच का आदेश देते हुए उन्हें न्यायिक कार्य वापस लेने का दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को आदेश दिया था। जस्टिस वर्मा पर आगे की कार्रवाई दूसरे चरण की जांच से तय होगी। सीजेआई ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय पैनल गठित किया।

वहीं, जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर मिले कैश के मामले पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बैठक बुलाई है। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में बेहिसाब नकदी मिलने के मामले में रोज नई-नई जानकारी सामने आ रही हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।